न्यायालय अतिरिक्त जिला कलक्टर गंगापुर सिटी

पीठासीन अधिकारी रामकिशोर मीना

अपील संख्या 93/25 (2025/121) तारीख रज्जू– 21/02/25

1. बुधराम पुत्र किशन्या आयु 56 साल जाति खारवाल निवासी गढी गोपालपुरा तहसील बरनाला जिला सवाई माधोपुर । —अपीलार्थी

बनाम

1. .सरकार जरिये तहसीलदार बरनाला । —रेस्पोडेन्ट

निर्णय दिनांक 29.08.2025

अपीलार्थी ने यह अपील राजस्थान भू–राजस्व अधिनियम,1956 की धारा 75 के अन्तर्गत तहसीलदार बरनाला द्वारा मिसल संख्या 74/2024 में पारित निर्णय दिनांक 09.01.2025 के विरूद्ध प्रस्तुत की है, जिसके द्वारा अपीलार्थी को ग्राम गढी गोपालपुरा के आराजी खं0नं0 1044 रकबा 0.50 है0 किस्म चरागाह पर अनाधिकृत रूप से अतिक्रमण कर कब्जा करने का कर्ता मानकर भूमि से बेदखल किये जाने, अर्थदण्ड स्वरूप शास्ति आरोपित करने के दण्ड से तथा सिविल कारावास की सजा से दण्डित करने का आदेश पारित किया गया है।

अपील प्रस्तुत होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रत्यर्थी की तलबी जरिये नोटिस की गई तथा अपीलाधीन आदेश संबंधी अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब की गई। अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली प्राप्त होने पर उभय पक्ष की बहस सुनी गई।

विद्वान वकील अपीलार्थी ने अपील में वर्णित तथ्यों का हवाला देते हुए बहस में तर्क दिया कि निर्णय अदालत मातहत खिलाफ कानून व रूऐदाद मिसल है जो खारिज होने योग्य है। अदालत मातहत द्वारा अपीलार्थी को नोटिस जारी किये गये थे। जो अपीलार्थी को नहीं मिलकर अन्य दीगर व्यक्ति को दिये गये थे, जिसकी जानकारी अन्य अतिक्रमियों के द्वारा बताने पर अपीलार्थी ने उपस्थित होकर अपना जबाब पेश करना चाहा लेकिन पेश होने से पूर्व ही अपीलार्थी के खिलाफ आदेश पारित कर दिया गया था, जबकि भूमि पर अपीलार्थी का कोई कब्जा नहीं है, उसके बावजूद भी अदालत मातहत द्वारा अपीलार्थी को 90 दिन के सिविल कारावास से दण्डित करने एवं 50 गुना पेनल्टी से दण्डित करने का आदेश प्रदान कर दिये जिससे व्यक्ति होकर अपीलार्थी को यह अपील निम्न आधारों पर न्यायालय हाजा में प्रस्तुत की गई। अदालत मातहत ने अपीलार्थी का पश्चातवर्ती अतिकमी साबित ना होते हुये भी अपीलार्थी को पश्चातवर्ती अतिकमी मानकर अपीलार्थी को सिविल कारावास के दण्ड से दण्डित करने में कानूनी भूल की है। अदालत मातहत ने इस तथ्य पर कतई गौर नहीं फरमाया कि पत्रावली में पश्चातवर्ती अतिकमी से संबंधित कोई दस्तावेज पत्रावली में संलग्न नहीं है। ना ही हल्का पटवारी की दैनिक डायरी कोई प्रति ही पत्रावली के साथ पेश की गई है। उसके बावजूद भी अदालत मातहत ने अपीलार्थी को पश्चातवर्ती अतिकमी मानकर

अतिरिक्त जिला कलेक्टर एव
आतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
गंगापुर सिटी

Signature Not Verified

Digitally signed by Ram Kishor Meena
Date: 2025.09.15 12:53:26 IST
Reason: SelfAttested

सिविल कारावस के दण्ड से दण्डित करने में कानूनी भूल की है। अदालत मातहत ने कानूनी प्रावधानों की पूरी तरह से अवहेलना की है तथा मात्र हल्का पटवारी के बयानों के आधार पर ही अपीलार्थी को सिविल कारावास के दण्ड से दण्डित करने में कानूनी भूल की है, साथ ही पटवारी हल्का की नवीन रिपोर्ट दिनांक 25.07.2025 में अंकित किया है कि वर्तमान में उक्त अतिकमी द्वारा मौके से कब्जा हटा लिया है। अपीलार्थी पक्ष ने अपने साक्ष्य के रूप में एक शपथ पत्र इस आशय का भी प्रस्तुत किया है कि उक्त वाद आरजीयात पर भविष्य में अतिकमण नहीं करेगा, साथ ही अधिवक्ता अपीलान्ट ने उक्त अपील अपीलार्थी स्वीकार की जाकर अपीलाधीन निर्णय निरस्त फरमाने हेतु निवेदन किया है।

विद्वान वकील अपीलार्थी द्वारा की गई बहस का खण्डन करते हुए पेरोकार सरकार ने बहस में तर्क दिया कि अदालत मातहत द्वारा अपीलार्थी को सुनवाई सबूत का अवसर प्रदान करने तथा अतिकमित आराजी पर अपीलार्थी का अतिकमण पाये जाने के उपरान्त ही अपीलाधीन निर्णय पारित किया है, जिसमें किसी प्रकार की अनियमितता व अवैधानिकता नहीं है। पटवारी हल्का के बयान में भी स्वयं पटवारी हल्का ने अंकित किया है कि पटवार हल्का गढी गोपालपुरा के राजस्व ग्राम गढी गोपालपुरा में चरागाह भूमि खं0नं0 1044 कुल रकबा 0.5 है0 में से अतिकमित बुधराम पुत्र किशन्या जाति खारवाल निवासी गढी गोपालपुरा ने कब्जा (सरसों) कर अतिकमण कर रखा है। बिना किसी अधिकारिता के चरागाह भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। उक्त पर पटवारी हल्का द्वारा दिनांक 26.11.24 को बुधराम पुत्र किशन्या के विरूद्ध धारा 91 एल0आर0एक्ट के तहत कार्यवाही करने की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी जो सही है। इसके द्वारा पूर्व में भी इस भूमि पर कब्जा काश्त किये जाने पर 91 एलआरएक्ट के तहत कार्यवाही की जाकर बेदखल किया जा चुका है, अब पश्चात्‌वर्ती अतिकमण किया गया है, यदि उक्त अपील स्वीकार की जाती है तो अन्य व्यक्तियों को भी अतिकमण करने में बढ़ावा मिलेगा, साथ ही पेरोकार सरकार ने अपील अपीलार्थी खारिज करने हेतु निवेदन किया है।

दोनों पक्षों की बहस सुनने,उस पर मनन करने तथा पत्रावली का अवलोकन करने के पश्चात्‌ यह निष्कर्ष निकलता है कि अदालत मातहत के समक्ष पटवारी हल्का द्वारा अपीलार्थी के विरूद्ध अतीचार की रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया जाकर अपीलार्थी को सुनवाई सबूत हेतु नोटिस जारी किया गया । जिससे स्पष्ट है कि अपीलार्थी को सुनवाई का समुचित अवसर प्रदान किया गया है। जहां तक अपीलार्थी के पूर्ववर्ती अतिचारी होने के प्रश्न है तो पटवारी हल्का ने अपनी रिपोर्ट एवं बयान में पश्चातवर्ती अतिकमण होना अंकित किया हुआ है। ऐसी स्थिती में अदालत मातहत द्वारा पारित निर्णय में किसी प्रकार की त्रुटि, अनियमितता होना प्रतीत नहीं होता है।

अतः उपरोक्त विवचेना के आधार पर अपील अपीलान्ट अस्वीकार की जाकर अदालत मातहत द्वारा पारित निर्णय दिनांक 09.01.2025 यथावत रखा जाता हैं

निर्णय आज दिनांक 29/08/2025 को लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(रामकिशोर मीना)
अति0 जिला कलक्टर
गंगापुर सिटी

Signature Not Verified

Digitally signed by Ram Kishor Meena
Date: 2025.09.15 12:53:26 IST
Reason: SelfAttested